nandgaon times feb-18-4.qxd 2/18/2026 12:30 AM Page 1

छात्राओं के मोबाइल नंबर वायरल... पृष्ठ 2 | जनसमस्या निवारण शिविर में आम... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

बुधवार, 18 फरवरी 2026, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 50, अंक 127, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनजातीय समाज का सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज कोरिया जिले के बैकुंठपुर में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में सरगुजा संभाग के जिलों में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर नई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सरगुजा और बस्तर क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखा है।प्राधिकरण के माध्यम से पिछड़े एवं वनांचल क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जनजातीय समाज के सशक्तिकरण और क्षेत्र की समृद्धि के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और सभी के सहयोग से इस क्षेत्र को प्रगति के नए शिखर पर पहुंचाया जाएगा। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर 543 विकास कार्यों के लिए 4905.58 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई, जबकि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 606 कार्यों को भी औपचारिक अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा लंबित कार्यों को मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सोनहत विकासखंड में विद्युतीकरण का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों तक पहुंच सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में हाईमास्ट सोलर लाइट लगाने, किसानों की समस्याओं के समाधान, बिजली बिल त्रुटियों को दूर करने तथा गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्राधिकरण की पिछली बैठक जशपुर जिले के मयाली में आयोजित हुई थी, जिसके बाद मयाली की पहचान पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ी है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में विश्व के बड़े शिवलिंग को स्थान मिला तथा स्वदेश दर्शन योजना के तहत राशि स्वीकृत हुई। उन्होंने कहा कि बैकुंठपुर में आयोजित इस बैठक से भी जिले की पहचान और पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि झुमका जलाशय सहित यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इस प्रकार विभिन्न जिलों में बैठक आयोजित करने से स्थानीय विकास को गति मिलती है। बैठक में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायकगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोक महोत्सव में शामिल हुई निर्मला जितेंद्र सिन्हा, गजमाला और मोमेंटो से किया सम्मानित

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम बाकल में आयोजित भव्य लोक महोत्सव कार्यक्रम में लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष महिला मंच कलार समाज निर्मला जितेंद्र सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके आगमन पर आयोजक समिति द्वारा पारंपरिक गजमाल पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि निर्मला जितेंद्र सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि लोक महोत्सव हमारी सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से न केवल हमारी परंपराएं संरक्षित रहती हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर आयोजित इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम सामाजिक समरसता और भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने आयोजक समिति और ग्रामवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समा बांध दिया, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर सरपंच चमेली मोहन पाल, याचना सिन्हा, दयाराम साहू, ओंकार पाल, आयोजक समिति के सदस्य, सामना फैंस क्लब के पदाधिकारी, आदरणीय तिरथ निषाद, उस्ताद खिलावन यादव, अध्यक्ष महेश यादव, उपाध्यक्ष हीरा यादव, सचिव भारत निषाद, कोषाध्यक्ष भागवत निषाद, अनिल यादव, लोकनाथ साहू (पूर्व उपसरपंच) सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

युगांतर में सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा शुरू हुई

राजनांदगाँव (नांदगांव टाइम्स)। युगांतर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा शुरू हुई। सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 312 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 311 विद्यार्थी उपस्थित रहे। सीबीएसई 12 वीं बोर्ड की कल 18 फरवरी को प्रारंभ होंगी, जिसमें 146 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर ने बताया कि सीबीएसई दसवीं बोर्ड की प्रातः 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक हुई। परीक्षार्थियों के परीक्षा प्रारंभ होने के 40-50 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुँचने पर उनकी निर्धारित अवधि में फ्रिसकिंग की प्रकिया पूरी हुई। विद्यार्थी सुबह 10 बजे के पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुँच गए और उन्होंने सीबीएसई की गाइड लाइन का परिपालन किया। वे सीबीएसई द्वारा जारी परीक्षा का प्रवेश पत्र, स्कूल युनीफॉर्म, स्कूल आई कार्ड के साथ परीक्षा केंद्र में आए। उन्होंने आगे बताया कि सीबीएसई द्वारा निर्देशानुसार अनुशासन की व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर टेबलो की बीच एक निश्चित अन्तराल रखा गया, प्रत्येक कक्ष कैमरे की व्यवस्था करने के साथ-साथ केंद्र में स्वच्छ पेय जल और स्वच्छ प्रसाधन की भी व्यवस्था की गई।

जहां पर पद ही नहीं वहां पर ट्रांसफर करना अवैध - छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अपने एक अहम फैसले में छत्तीसगढ़ शासन के ट्रांसफर आर्डर/ स्थानांतरण आदेश को खारिज कर दिया छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने ने स्पष्ट किया की याचिका कर्त्ता द्वारा धारित स्थानांतरित पद उपलब्ध नहीं है इसलिए याचिका कर्त्ता का स्थानांतरण मान्य नहीं है। यह आदेश माननीय न्याय मूर्ति पी.पी साहू की सिंगल बेंच ने पारित किया है । याचिका कर्त्ता बीर सिंह साहू जिला राजनांदगांव में समाज कल्याण विभाग में कलाकार के पद पर कार्यरत है जिनका स्थानांतरण दिनांक 22.4.2025 को जिला राजनांदगांव से नवगठित जिला खैरागढ़ गंडई छुईखदान कर दिया गया था परंतु नवगठित जिला खैरागढ़ गंडई छुईखदान में कलाकार पद के लिए याचिका कर्त्ता का ट्रांसफर किया गया था उक्त पद नवीन जिले में अस्तित्व में ही नहीं है ऐसे में याचिका कर्त्ता को नौकरी करने के संबंध में संकट खड़ा हो गया था ।याचिका कर्त्ता ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री आशीष गंगवानी से संपर्क कर अपनी पीड़ा बताइए जिस पर अधिवक्ता श्री गंगवानी ने इस मामले में माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर याचिका कर्त्ता को माननीय उच्च न्यायालय से राहत दिलाई । याचिका कर्त्ता के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि नवीन जिले खैरागढ़ गंडई छुईखदान की पद प्रणाली के अनुसार जिस विभाग में याचिका कर्त्ता कार्यरत उसमें केवल उपनिदेशक सहायक श्रेणी तृतीय और चपरासी के ही पद हैं कलाकार का कोई पद स्वीकृत नहीं है इसलिए याचिका कर्त्ता का तबादला नवीन जिला में विधिवत गलत है इस पर माननीय उच्च न्यायालय ने विवादित आदेश को रद्द कर दिया ।

अर्जुनी- केसला मार्ग पर दिनदहाड़े चाकू बाजी, कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला अर्जुनी- केसला मार्ग का है जहां दिनदहाड़े स्टेट हाईवे पर चाकूबाजी की सनसनीखेज वारदात सामने आई। इस घटना के बाद जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू ने प्रशासन, आबकारी विभाग और पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि अवैध शराब के बढ़ते कारोबार और लापरवाही के चलते जिले में अपराध बेलगाम होते जा रहे हैं। यह घटना राजनांदगांव जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत केसला मार्ग की है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। केसला निवासी 25 वर्षीय हेमंत साहू पर दो युवकों ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक की जांघ (घुटने के ऊपर) और कंधे पर गहरी चोटें आईं। घटना के बाद परिजन तत्काल घायल युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी टीआई राहटगांवकर ने बताया कि सालिकझिटिया निवासी आकाश और रामा नामक दो युवकों ने इस वारदात को अंजाम दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों को शक था कि हेमंत साहू ने उनके अवैध शराब कारोबार की शिकायत पुलिस से की है। इसी रंजिश में पहले गाली-गलौज हुई और फिर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। टीआई के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर महज आधे घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 35, 119(2), 370 और 115(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। घटना को लेकर किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू ने कहा कि जब स्टेट हाईवे पर दिनदहाड़े इस तरह की वारदात हो रही है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने में प्रशासन और आबकारी विभाग पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि शासन की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सिर्फ चाकूबाजी ही नहीं बल्कि जिले में शराब दुकानों और बीयर बारों की बेतरतीब मंजूरी भी विवाद का विषय बनी हुई है। तुमडीबोड के समीप ग्राम पंचायत कोपेडीह में नेशनल हाईवे से सटे बीयर बार को लाइसेंस दिए जाने पर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर बीयर बार खोला गया है उसके सामने गुरुद्वारा स्थित है और पीछे पेट्रोल पंप है।

महाशिवरात्रि पर रेवाडीह शिव मंदिर में गूंजे भोलेनाथ के भजन

सुनील बंसोड़ की मधुर प्रस्तुति ने भक्तों को किया मंत्रमुग्ध

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रेवाडीह स्थित शिव मंदिर भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। इस विशेष आयोजन में सुप्रसिद्ध लोक एवं भजन गायक सुनील बंसोड़ ने भगवान शंकर की महिमा से ओतप्रोत भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अपनी सुमधुर आवाज और प्रभावशाली गायन शैली से सुनील बंसोड़ ने भोलेनाथ की लीलाओं और महिमा का सुंदर वर्णन किया। भजनों की गूंज से पूरा मंदिर परिसर च्हर-हर महादेवज्ज् के जयघोष से गूंज उठा। उपस्थित श्रोताओं ने तालियों और जयकारों के साथ कलाकार का उत्साहवर्धन किया। यह भव्य धार्मिक आयोजन शहर के पूर्व महापौर एवं शिवभक्त नरेश डाकलिया के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से सुदेश देशमुख, हेमा देशमुख, जितेंद्र मुदलियार, सुनील बरडिया, विनोद डड्ढा, राजेश श्यामकर, चंद्रभान बाजपेई, राकेश जोशी, मामराज अग्रवाल, भारत सोनी सहित अनेक श्रद्धालु एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने कलाकारों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महापौर मधुसूदन यादव सतप्रतिशत राजस्व वसूली के लिये कार्य करने राजस्व अमला को दिये निर्देश

दुकानो का प्रीमियम एवं किराया जमा करने बकायादारो को बुला की चर्चा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखकर महापौर श्री मधुसूदन यादव राजस्व अमला की समीक्षा बैठक लेकर सतप्रतिशत वसूली के लिए कार्य करने निर्देश दिये तथा दुकानों का बकाया प्रीमियम व किराया जमा करने दुकानदारो को बुलाकर चर्चा किए। इस दौरान निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य श्री राजा माखीजा तथा प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू व श्री सावन वर्मा, राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी की विशेष उपस्थिति रही।

महापौर श्री यादव ने बैठक में कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, सतप्रतिशत वसूली का लक्ष्य रखकर कार्य करना है, सभी राजस्व उप निरीक्षक व सहायक राजस्व निरीक्षक घर घर जाकर वसूली करना सुनिश्चित करे। बड़े बकायादारो से सम्पर्क कर करो का भुगतान करने समझाई देवे, कार्य योजना बनाकर कार्य करे, क्यू.आर. कोड के माध्यम से भी ऑनलाईन भुगतान लेवे। उन्होंने कहा कि विगत एक माह से

अधिक समय तक एसआईआर में ड्यूटी लगने के कारण वसूली प्रभावित हुई है तथा वर्तमान में वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, जिसे ध्यान में रखकर राजस्व वसूली के लिए घर घर जाकर वसूली करने के अलावा राजस्व कार्यालय में भी अलग से कर लेने कर्मचारी तैनात करे, जिससे करदाता भटके न। साथ ही अवकाश के दिनों में भी कार्यालय में उपस्थित रहकर संपत्तिकर, जलकर,समेकितकर एवं दुकान किराया लेना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि बड़े बकायादारो को बुलावे जिनसे करो का भुगतान करने चर्चा की जा सके। महापौर श्री यादव के निर्देश पर दुकानदारो एवं बड़े बकायादारो को महापौर कक्ष में बुलाया गया। गत दिवस दुकान के बड़े बकायादारो में सर्वेश्वरदास स्कूल व्यवासायिक परिसर तथा पुत्रीशाला व सुभाष द्वार के पास निर्मित प्रथम तल के दुकानदारो को बुलाया गया, जिनसे महापौर श्री यादव ने प्रीमियम राशि जमा करने चर्चा किये। इसी प्रकार दुकानो के बड़े किराया बकायादारो को आज बुलाया गया, जिनसे भी महापौर ने भुगतान के लिये चर्चा की। चर्चा उपरांत लगभग 50 लाख रूपये की बकाया राशि जमा करने कहा गया, जिसपर दुकानदारो ने बकाया राशि जमा करने सहमति दी। उन्होंने तकनीकि अधिकारियो से भी कहा कि सर्वेश्वरदास स्कूल व्यवसायिक परिसर के शेष कार्य जल्द पूर्ण करे, ताकि दुकानदारो को राशि जमा करने के उपरांत आधिपत्य दी जा सके। उन्होंने यातायात नगर सहित अन्य बकायादारो को भी बुलाकर चर्चा कराने कहा। महापौर श्री यादव ने कहा कि संपत्तिकर, जलकर, समेकितकर तथा दुकान किराया का भुगतान होने से निगम के कर्मचारियो को वेतन देने में सुविधा होती है।

nandgaon times feb-18-4.qxd 2/18/2026 12:30 AM Page 2

छात्राओं के मोबाइल नंबर वायरल होने पर फूटा आक्रोश : एबीवीपी ने प्राचार्या का पुतला दहन कर किया उग्र प्रदर्शन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महाविद्यालय परिसर में छात्राओं के मोबाइल नंबर और कक्षा संबंधी जानकारी कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) राजनांदगांव इकाई ने उग्र प्रदर्शन करते हुए प्राचार्या महोदया का पुतला दहन किया। इस घटना के विरोध में कॉलेज परिसर में जोरदार नारेबाजी की गई और प्रशासन के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया।

जानकारी के अनुसार, एक दिन पूर्व महाविद्यालय परिसर में कुछ छात्राओं को मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए देखा गया था। इस पर प्राचार्या महोदया द्वारा सख्ती बरतते हुए कई छात्राओं के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए। इस कार्रवाई से छात्राओं में असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामले की सूचना मिलते ही एबीवीपी के कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे और छात्राओं के समर्थन में आवाज उठाई। संगठन के हस्तक्षेप के बाद जब्त किए गए मोबाइल फोन छात्राओं को वापस दिलाए गए। विवाद ने गंभीर रूप तब लिया जब उसी शाम महाविद्यालय प्रशासन की ओर से एक नोटिफिकेशन जारी किया गया, जिसमें कथित रूप से छात्राओं के नाम, मोबाइल नंबर और कक्षा संबंधी जानकारी सार्वजनिक हो गई। यह सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी, जिससे छात्राओं एवं उनके परिजनों में गहरी चिंता और आक्रोश व्याप्त हो गया। एबीवीपी ने इसे छात्राओं की निजता और सुरक्षा के साथ गंभीर लापरवाही बताया। घटना के विरोध में अगले दिन बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता महाविद्यालय पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। संगठन ने मांग की कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान प्राचार्या महोदया का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चांदना श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान द्वारा छात्राओं की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करना अत्यंत गैरजिम्मेदाराना कृत्य है। यह केवल अनुशासन का विषय नहीं, बल्कि

छात्राओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। यदि इस प्रकार की घटनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन प्रदेश स्तर तक आंदोलन को विस्तार देगा। वहीं जिला संयोजक ने कहा कि एबीवीपी सदैव छात्राओं के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्राओं की निजता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक संगठन आंदोलन जारी रखेगा। नगर मंत्री अक्षत कु. श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉलेज प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि छात्राओं की सुरक्षा और गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा सामने आई, तो एबीवीपी और भी व्यापक व उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि छात्राओं के सम्मान से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और आवश्यकता पड़ी तो संगठन सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक निर्णायक लड़ाई लड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा संस्थानों में छात्राओं की निजता और डेटा सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से पारदर्शी एवं जिम्मेदार रवैया अपनाने की मांग की है। मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री जीत प्रजापति, श्री प्रतीक गढ़वाल, नगर सह मंत्री श्री भूपेंद्र पाल, नगर महाविद्यालय प्रमुख श्री जीत शर्मा, सह प्रमुख सुश्री वेणुका, नगर स्न्नष्ठ प्रमुख श्री कुलदीप पाल, नगर स्न्नस् प्रमुख सुश्री चैतन्या द्विवेदी, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख सुश्री युक्ता मांडवी, सह प्रमुख सुश्री प्रिया, नगर सोशल मीडिया संयोजक श्री यश श्रीवास्तव, सह प्रमुख श्री ओजस ऊईके, श्री मोहित साहू, तामेश्वर नायक, गीतेश कुमार, देवेंद्र, धन्नू टंडन, लक्ष्य जैन, जीत पांडे, लुभांशू एवं शिवम् मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विधि महाविद्यालय में आज आरोहण की मचेगी धूम

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। नांदगांव शिक्षा मंडल द्वारा संचालित पंडित किशोरीलाल शुक्ला विधि महाविद्यालय में कल 18 फरवरी को 'आरोहण 2026 का शानदार आयोजन किया जाएगा । कानून की शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी सब कुछ भूलकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से अपना नाता जोड़ेंगे । उक्त अवसर पर नगर के प्रथम नागरिक महापौर मधुसूदन यादव मुख्य अतिथि की आसंदी पर होंगे । आयोजन में नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विधि महाविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दे चुके के सी जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे । विधि महाविद्यालय के प्रशासक डॉ. आर एन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोहण के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी । इसी गरिमामय कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जाएगा । शिक्षा से लेकर खेल एवं अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मेडल मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रदान किए जाएंगे । विधि की परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को नगर के गणमान्य लोगों की स्मृति में गोल्ड प्लेटेड मेडल दिए जाएंगे । इनमें मुख्य रूप से रामजी लाल खंडेलवाल , बी एन राय , हरिप्रसाद अग्रवाल , छोटेलाल रामशंकर तिवारी , अब्दुल लतीफ , पंडित किशोरीलाल शुक्ला , केदारनाथ डागा , संतन भगवान मिश्र , सुश्री कीर्ति मिश्रा , मदनलाल गोमस्ता , उत्तम चंद लूनिया , धरमचंद श्रीमती पुष्पा देवी , जगतनारायण - विमलेश शुक्ल की स्मृति में पदक प्रदान किए जाएंगे ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से कन्याओं के विवाह का सपना हुआ साकार

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना निर्धन और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह के सपनों को साकार करने में एक वरदान साबित हो रही है। विवाह के बढ़ते खर्चों के कारण जिन परिवारों को अपनी बेटियों की शादी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, उन्हें इस योजना के माध्यम से बड़ी आर्थिक और सामाजिक राहत मिली है। इस पहल ने सुनिश्चित किया है कि बेटियाँ अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर को सम्मान और गरिमा के साथ मना सकें। कवर्धा जिले में इस योजना की सफलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जहाँ अब तक 996 कन्याओं का विवाह संपन्न हो चुका है।

ग्राम कोयलारी- मोदिया पथरा सड़क तोड़फोड़ प्रकरण में अपराध पंजीबद्ध

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। थाना तरेगांव जंगल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोयलारी से मोदिया पथरा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन पक्की सड़क को नुकसान पहुँचाने के मामले में थाना तरेगांव जंगल में अपराध क्रमांक 04/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है।स संबंध में प्रार्थी गौरव त्यागी, सहायक अभियंता, परियोजना क्रियान्वयन इकाई कवर्धा द्वारा थाना तरेगांव जंगल में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 324(4), 326(ख), 3(5) तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बोड़ला एसडीओपी बोड़ला के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी तरेगांव जंगल द्वारा आरोपियों की पतासाजी कर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जिले में लोक-सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों के विरुद्ध लगातार ठोस एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार की घटनाओं में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिकदण्डाधिकारी खैरागढ़ जिला राजनांदगांव (छ..)

- ईश्तहारः-

रा.मा.क्र बी-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार मिश्रा आ. वनपाली प्रसाद निवासी शहर / ग्राम इतवारी बाज़ार खैरागढ़ प.ह.नंज. तहसील खैरागढ़ जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा अपने स्वय कृष्ण कुमार मिश्रा आ. वनपाली प्रसाद मिश्रा के जन्म प्रमाण पत्र की माँग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म दिनांक 19/01/1965 को स्थान खैरागढ़ होना बताया जाकर जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो, ये सुनवाई तिथि 19/02/2026 लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक हे माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दाबा / आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांकः- 20/01/2026
सुनवाई दिनांकः- 19/02/2026

सील — कार्यपालिक दंण्डाधिकारी खैरागढ़

शुभांक

7-9-0

670-3 380-1

भाग्यांक

156-2 568-9

नगर निगम राजस्व वसूली में बरत रही है कड़ाई

जलकर नही पटाने पर 06 नल विच्छेदन की कार्यवाहीद्व, बड़े बकायादारों का नाम होगा प्रकाशित

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष समाप्ति को ध्यान में रखते हुये राजस्व वसूली में कड़ाई बरती जा रही है। जहॉ नगर निगम में वार्डवार राजस्व वसूली कर रहे है, वही घर घर जाकर भी बकाया करों की वसूली की जा रही है। वसूली के दौरान लम्बे समय से जलकर का भुगतान नहीं करने वाले करदाताओं का नल विच्छेदन किया जा रहा है। इसी कडी में आज शंकरपुर क्षेत्र में 06 नल विच्छेदन की कार्यवाही की गयी, साथ ही बड़े बकायादारों को अंतिम नोटिस दी जा रही है, करों का भुगतान नही करने की स्थिति में बकायादारों का नाम सार्वजनिक कर नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार बकाया प्रीमियम एवं किराया वसूली के लिए दुकाने सील करने की कार्यवाही की जा रही है। वसूली के संबंध में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि सत् प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव स्वयं बडे बकायादारो की बैठक लेकर करो का

भुगतान करने समझाईस दे रहे है तथा राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी एवं राजस्व अमला सम्पतिकर,जलकर,समेकित कर व दुकान किराया की वसूली घर घर जा कर रही है और बड़े बकायादारों को अंतिम नोटिस भी दिया जा रहा है। नोटिस उपरांत करों का भुगतान नहीं करने पर बकायादारो का नाम सार्वजनिक करते हुये समाचार पत्रों में प्रकाशित कर नल विच्छेदन की कार्यवाही की जावेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में निगम जलकर का भुगतान नही करने पर वार्ड नं. 7 शंकरपुर रोड के 06 नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार दुकानदारों द्वारा लम्बे समय से दुकान किराया का भुगतान नहीं करने पर नया बस स्टैण्ड, नंदई रोड भैसा कोठा तथा हाट बाजार की दुकाने सील करने की कार्यवाही की गयी। उन्होंने बताया कि नागरिकों द्वारा करो का भुगतान करने पर होने वाले राजस्व आय से कर्मचारियों का वेतन भुगतान सहित नगर विकास किया जाता है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने निगम सीमाक्षेत्रान्तर्गत निवासरत भवन एवं भूमि स्वामियों तथा निगम स्वामित्व के दुकानों के किराएदारों से अपने स्वामित्व की भवन व भूमियों के संपत्तिकर,समेकितकर एवं जलकर की सम्पूर्ण बकाया राशि तथा निगम स्वामित्व की दुकानों का सम्पूर्ण बकाया किराया का भुगतान निगम कार्यालय में अनिवार्यत: जमा कर रसीद प्राप्त कर नगर विकास में सहयोगी बनने की अपील की है।

गणित विभाग द्वारा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान का आयोजन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के

गणित विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ के. के. देवांगन के नेतृत्व में गुजराती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजनांदगाँव में कक्षा 9 वीं, 10 वीं, 11 वीं एवं कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की क्कक्ञ्ज के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। शासकीय गुजराती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजनांदगाँव के प्राचार्य श्रीमती सुनीता शुक्ला ने बताया कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगाँव जिले का सबसे पुराना महाविद्यालय है7 बहुआयामी प्रतिभा वाले विद्यार्थी इस महाविद्यालय से उत्तीर्ण हुए है, चाहे कला के क्षेत्र में, चाहे खेल के क्षेत्र में, चाहे पढाई के क्षेत्र में, चाहे सांस्कृतिक गतिविधि में, राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन किया है 7 NEP 2020 के बारे में डॉ कविता साकुरे ने विस्तार से PPT के माध्यम से बताया कि कालेज में सेमेस्टर के पढ़ाई निरंतर है, क्रेडिट पॉइंट सिस्टम से ग्रेड दिया जाता है और ह्श्वक्क 2020 के फायदे बताये 7 इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का का मूल आधार, प्रारूप, उद्देश्य, आयु निर्धारण, भारत की उच्च शिक्षा की प्रमुख समस्याए एवं उनके दूर करने के प्रयास, कौशल आधारित शिक्षा, कुशल शिक्षा की विशेषताए, DSC, AECC, GE कोर्स और Value Added Course, महाविद्यालय की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नवीन प्रावधान एवं पद्धति इत्यादि की जानकारी प्रदान की।

सुंदरा मंडल का विशाल हिंदू सम्मेलन ग्राम पार्रीकला में संपन्न

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। समीपस्थ सुंदरा मंडल के ग्राम पार्रीकला में ग्रामवासियों के तत्वावधान में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। आयोजन में सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला संयोजिका राष्ट्रीय सेविका समिति राजनांदगांव श्रीमती ऋृतू शर्मा रहीं। विशेष अतिथियों में खंड कार्यवाहक राजनांदगांव टेकराम साहू, दिनेश साहू,राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर, जिला पंचायत सभापति देवकुमारी साहू, पश्चिम मंडल अध्यक्ष मनोज साहू सरपंच कामिनी अंबिलकर एवं मनीष शर्मा उपस्थित रहे। समाज प्रमुख दिनेश साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदू समाज सदैव च्वसुधैव कुटुंबकम्ज्ज् की भावना में विश्वास रखता है। सभी जीवों में एक ही ईश्वर का दर्शन करना और नारी शक्ति का सम्मान करना हमारी संस्कृति की विशेषता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में अतिथि देवो भव: की भावना के साथ सभी धर्मावलंबियों का स्वागत किया गया है। समाज में ऊंच-नीच का भाव समाप्त कर समरसता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता श्रीमती ऋृतू शर्मा ने कहा कि माता-पिता ही बच्चों के प्रथम गुरु होते हैं और उनके संस्कार ही राष्ट्र निर्माण की नींव रखते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों को राष्ट्र प्रथम की प्रेरणा अपने परिवार से ही मिली। भारतीय नारी को सबला बताते हुए उन्होंने रानी अहिल्याबाई होलकर के मंदिरों के पुनरुत्थान में योगदान को स्मरण किया। सम्मेलन में च्पंच परिवर्तनज्ज् का आह्वान किया गया, जिसमें सप्ताह में कम से कम एक दिन परिवार के सभी सदस्य मोबाइल और टीवी से दूर रहकर भजन-पूजन, भोजन एवं पारिवारिक चर्चा करने का संकल्प लें। पर्यावरण संरक्षण के तहत च्तीन पज्—पानी बचाना, पेड़ लगाना और प्लास्टिक मुक्त घर-परिवार बनाने का संदेश दिया गया।

साथ ही नागरिक कर्तव्यों के पालन, समय पर कर भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर भी बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक गीतों एवं छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकगीतों पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना रहा। अतिथियों ने मंडल के विभिन्न ग्रामों से आए सदस्यों को गमछा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की रूपरेखा नंदकिशोर साहू ने तैयार की थी। समापन अवसर पर मां भारती की आरती की गई तथा आभार प्रदर्शन रमेश चंद्राकर ने किया। मंच संचालन पवन यादव (पहुना) ने किया। आयोजन की सफलता के लिए मंडल अध्यक्ष हिपेंद्र साहू ने सभी ग्रामवासियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में झामेश्वर साहू, धनेश साहू, धनेश्वर साहू एवं देवल साहू का विशेष योगदान रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, खैरागढ़- छुईखदान- गण्डई (छ.ग.)

Email- eekhaira-phe@cg.gov.in

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र- 'ए' में प्रतिशत दर पर राज्य मद अंतर्गत जिला- खैरागढ़ छुईखदान गंडई में नवीन खण्ड कार्यालय, उपखण्ड कार्यालय एवं जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला भवन निर्माण कार्यों हेतु निम्नलिखित ऑनलाईन (OnLine) निविदा आमंत्रित की जाती है.

स. क्र.	निविदा क्र./दिनांक सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	22/13.02.2026, 185586	जिला- खैरागढ़ छुईखदान गंडई के नवीन खंड कार्यालय भवन का निर्माण कार्य एवं आंतरिक विद्युत एवं सोलर फिटिंग कार्य, खण्ड कार्यालय का अहाता निर्माण कार्य एवं उससे संबंधित अन्य कार्य.	79.49
2	23/13.02.2026, 185588	जिला- खैरागढ़ छुईखदान गंडई के नवीन उप खण्ड कार्यालय एवं जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला भवन निर्माण कार्य आंतरिक विद्युत एवं सोलर फिटिंग कार्य, अहाता निर्माण कार्य एवं उससे संबंधित अन्य कार्य.	78.14

नोट:- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि की विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति निविदा, दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) से दिनांक 16.02.2026 से देखा जा सकता है एवं दिनांक 05.03.2026 सायं 5.30 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
खैरागढ़- छुईखदान- गंडई (छ.ग.)

जी-06720

प्राचार्य पद से वंचित करने का रचा जा रहा षड्यंत्र : सुशील शर्मा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में प्रकाशित नए भर्ती एवं पदोन्नति नियम (राजपत्र) को लेकर जिले में विवाद की स्थिति बन गई है। शालेय शिक्षक संघ ने इन नियमों को शिक्षक एलबी संवर्ग के हितों पर सीधा आघात बताते हुए इसे एक विशेष संवर्ग को लाभ पहुंचाने की साजिश करार दिया है। शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा ने आरोप लगाया कि नए नियमों में एलबी संवर्ग के शिक्षकों की वर्ष 1995 से की जा रही सेवाओं को शून्य मानते हुए उनकी वरिष्ठता समाप्त करने का प्रयास किया गया है। उनका कहना है कि यह निर्णय न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के मनोबल को भी तोड़ने वाला है।

प्राचार्य पद के कोटे पर आपत्ति

संघ का कहना है कि नए नियमों में प्राचार्य पद के लिए एलबी संवर्ग को मिलने वाला कोटा समाप्त कर उसे ई एवं टी संवर्ग में विलोपित कर दिया गया है। इससे एलबी संवर्ग के वरिष्ठ शिक्षकों के लिए पदोन्नति के स्वाभाविक अवसर समाप्त हो गए हैं। वर्षों की सेवा के बाद भी प्रशासनिक पदों तक पहुंचने का मार्ग अवरुद्ध हो जाने से शिक्षकों में गहरी निराशा व्याप्त है। संघ का यह भी आरोप है कि सीधी भर्ती को बढ़ावा देने की नीति से विभाग में पहले से कार्यरत कर्मचारियों की उपेक्षा हो रही है। इससे अनुभव और वरिष्ठता का सम्मान कम होता नजर आ रहा है।

प्रशासनिक पदों से वंचित रखने की कवायद

शालेय शिक्षक संघ ने आरोप लगाया कि अपर संचालक जैसे महत्वपूर्ण पदों को शिक्षा विभाग से हटाकर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा बीईओ और एबीईओ पदों पर पदोन्नति के समीकरणों में बदलाव कर तुष्टिकरण की नीति अपनाई जा रही है। संघ ने यह भी आशंका जताई है कि व्यायाम शिक्षक और ग्रंथपाल जैसे पदों का भविष्य भी अनिश्चित दिखाई दे रहा है।

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601091100042

विषयः-ब-121. मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
दीवानभेड़ी प.ह.न. 00011 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार - भारतलाल,
अनावेदक पक्षकार -छ0 ग0 शासन,

ईश्तहार

एतद ?द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारतलाल आ0 कुंजलाल निवासी ग्राम दीवानभेड़ी पटवारी हल्का नं0 11 तहसील डोंगरगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पिता कुंजलाल का जन्म दिनांक 14/06/1971 को ग्राम दीवानभेड़ी में होन के कारण अपना पिता कुंजलाल का जन्म तिथि जारी किये जाने शपथ पत्र, चालान क्रमांक 66230126004300, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा दाखिल खारिज की नकल के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो पेशी दिनांक 18.02.2026 को स्वंय अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 27.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार डोंगरगांव

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202602091900013

विषयः- ब-121. मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्ः- 2025-2026
घोरदा प.ह.न. 00033 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- रमेश कुमार भट्टाचार्य,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश कुमार भट्टाचार्य आ. कृष्णा दास भट्टाचार्य निवासी ग्राम घोरदा, तहसील डोंगरगांव जिला राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वयं का जन्म दिनांक 17.02.1980 को ग्राम घोरदा, तहसील डोंगरगांव में होने के कारण अपने स्वयं का जन्म तिथि जारी किये शपथ पत्र, चालान, पंचनामा, अंक सूची. अनुपलब्धता के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25-02-2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं, समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगांव

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202602091900010

विषयः- ब-121. मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
बरसनटोला प.ह.न. 00020 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - द्वारिका प्रसाद धुर्वे,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारिका प्रसाद धुर्वे आ. स्व. मंशाराम निवासी ग्राम बरसनटोला, तहसील डोंगरगांव जिला राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने माता अगसिया बाई पति मंशाराम का मृत्यु दिनांक 23.12.2011 को ग्राम बरसनटोला, तहसील डोंगरगांव में होने के कारण अपने माता अगसिया बाई पति मंशाराम का मृत्यु तिथि जारी किये शपथ पत्र, चालान, पंचनामा, अनुपलब्धता के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20-02-2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं, समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगांव

nandgaon times feb-18-4.qxd 2/18/2026 12:31 AM Page 3

ज्ञान मंथन

1) पश्तून जातीय समूह मुख्य रूप से किन देशों में पाया जाता है?
2) व्हेन-लिस्टेड प्लेटफॉर्म किस संस्थान की पहल है?
3) हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य की पहली डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किस शहर में किया?
4) लीडरशिप समिट 2024 की मेज़बानी किस संस्थान ने की?
5) लैटिन अमेरिका में किस देश ने कानून बनाकर इच्छामृत्यु को वैध करने वाला पहला देश बन गया है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) अफगानिस्तान और पाकिस्तान (2) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (3) बिलासपुर (4) आईआईटी गुवाहाटी (5) उरुग्वे

जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश : मुख्य कार्यपालन अधिकारी

बालोद (नांदगांव टाइम्स)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी ने जिले के प्रत्येक विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। श्री चंद्रवंशी आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रशासनिक अमले की उपस्थिति आम जनता के बीच सुनिश्चित कराकर उनके मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण करने हेतु जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन के मंशानुरूप जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का विशेष प्राथमिकता के साथ समुचित निराकरण अत्यंत आवश्यक है। श्री चंद्रवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को जिला स्तरीय निवारण शिविर के आयोजन के पूर्व संबंधित क्षेत्र के आम नागरिकों से प्राप्त मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में श्री चंद्रवंशी ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार आगामी सप्ताह से समय-सीमा की बैठक मंगलवार के स्थान पर अब प्रत्येक सोमवार को सुबह आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक के पश्चात्

संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा सभी अधिकारियों को प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने-अपने विभाग एवं कार्यालयों के नस्तियों के निराकरण, विभागीय कार्यों की समीक्षा एवं आम जनता की समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए है। जिसके फलस्वरूप जिला प्रशासन द्वारा साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक मंगलवार के स्थान पर प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जा रहा है। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक, श्री अजय किशोर लकरा एवं श्री नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में श्री चंद्रवंशी ने सभी विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को विधानसभा प्रश्नों की जानकारी तत्काल प्रेषित करने तथा इसकी एक प्रति जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रेषित करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के समय पर बायोमेट्रिक उपस्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यालयों में पहुँचने के पश्चात् सुबह 10 बजे तक अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में श्री चंद्रवंशी ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के द्वारा जिले में आयोजित होने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन के तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले में बोर्ड परीक्षाओं के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जीएसटी रिटर्न अदायगी के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी विभाग किसी भी स्थिति में जीएसटी रिटर्न को लंबित न रखे। बैठक में श्री चंद्रवंशी ने जिले में मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यों की क्रियान्वयन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यों का क्रियान्वयन निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री चंद्रवंशी ने बताया कि

जनदर्शन कक्ष में जिले के लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली

बालोद (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में आज ग्राम चाराभांठा के श्री ढाल सिंह ने दिव्यांग पेशन दिलाने, ग्राम पंचायत चिचबोड़ के सरपंच ने तालाब में घाट निर्माण एवं खेल के मैदान में बाउंड्री वॉल निर्माण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह गुरूर विकासखण्ड के पलारी निवासी श्रीमती दीपिका ने प्रसुति सहायता योजना का लाभ दिलाने, सोंहतरा की बेदबाई ने कृत्रिम पैर लगवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह ग्राम भानपुरी की जानकी बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने, ग्राम मुड़खुसरा के राजेन्द्र कुमार इलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाने एवं बोडरा के शत्रुघनराम ने वृद्धापेंशन का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री अजय किशोर लकरा एवं श्री नूतन कंवर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रास्ते पर आने जाने वालों से लूट पाट करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। दिनांक 16 फरवरी 2026 को दोपहर करीब 01:00 से 01:30 बजे के मध्य थाना पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी से सोनबरसा जाने वाले मार्ग पर लूट की घटना घटित हुई। प्रार्थी पार्वती वर्मा पति सुरेन्द्र वर्मा उम्र 45 वर्ष निवासी केशडबरी थाना साजा जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) द्वारा सूचना दी गई कि वे अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से अपने भाई के घर ग्राम सोनबरसा जा रही थीं। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों में सवार चार आरोपियों द्वारा कट्टा दिखाकर डराया-धमकाया गया तथा उनके गले में पहने पुराने इस्तेमाली सोने के हार, दो नग सोने के झुमके एवं सोने की पत्ती माला छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना पिपरिया पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पीड़िता एवं उसके पति के शोर मचाने पर आसपास के

ग्रामीणों एवं राहगीरों द्वारा साहस दिखाते हुए आरोपियों का पीछा किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से भाग रहे आरोपियों में से दो आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंजीत उर्फ मोनू पिता अजब सिंह निवासी सरीफपुर थाना सिंहबाउली जिला हापुड़ (उत्तर प्रदेश) तथा पवन कुमार पिता रमेश कुमार निवासी बुआडकला थाना खतौली जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं घटना में प्रयुक्त दोनों मोटरसाइकिल तत्काल बरामद कर ली गई। शेष दो फरार आरोपियों की पतासाजी हेतु पुलिस टीम रवाना कर दी गई है तथा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। घटना में लूटे गए मशरुका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1,65,000 रुपये है।

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई थाना कवर्धा क्षेत्र में दो अलग-अलग मामलों में दो महिला सट्टेबाज गिरफ्तार

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम पुलिस द्वारा अवैध सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम पुष्पेन्द्र बघेल एवं

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम अमित पटेल के मार्गदर्शन में की गई। प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कवर्धा डीएसपी आशीष शुक्ला एवं डीएसपी कृष्ण चंद्राकर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कवर्धा निरीक्षक योगेश कश्यप एवं साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीम गठित कर कार्रवाई की गई। पहली कार्रवाई में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वार्ड क्रमांक 01 शिवाजी कॉलोनी कवर्धा में नंदनी उर्फनीलू गुप्ता पति विक्रम गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 01 शिवाजी कॉलोनी कवर्धा को अपने घर के सामने अवैध रूप से अंकों पर सट्टा खिलाते हुए पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से सट्टा-पट्टी, नगद रकम एवं पेन जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। दूसरी कार्रवाई में वार्ड क्रमांक 05 लोहाराना का दीवारपारा कवर्धा निवासी पूजा बांधेकर पत्नी संदीप बांधेकर उम्र 28 वर्ष को अलग प्रकरण में सट्टा गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर कार्रवाई की गई। आरोपी के विरुद्ध पृथक से अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि दोनों महिला आरोपी व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर विभिन्न ग्रुपों के माध्यम से अलग-अलग खाईवाली करते हुए सट्टा संचालित कर रही थीं। इनके माध्यम से सट्टा खेलने एवं खिलाने वाले अन्य व्यक्तियों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जिनकी पतासाजी की जा रही है। शीघ्र ही संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध भी विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों को यह स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि जिले में सट्टा-जुआ, ऑनलाइन सट्टेबाजी एवं किसी भी प्रकार के अवैध धंधे को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा।

भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता बारेलाल बिसेन का आकस्मिक निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

साल्हेवारा/ भाजीडोंगरी (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ एवं जुझारू कार्यकर्ता, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष तथा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि बारेलाल बिसेन के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन का समाचार मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों में गहरा दु:ख व्याप्त हो गया।

स्वर्गीय श्री बिसेन ने बहुत कम उम्र में ही सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई थी। वे ग्राम पंचायत भाजीडोंगरी में 3 से 4 बार सरपंच प्रतिनिधि के रूप में दायित्व निभा चुके थे। अपने सरल, सहज और मिलनसार स्वभाव के कारण वे जन-जन में लोकप्रिय थे। ग्राम विकास और जनहित के कार्यों में उनकी विशेष रुचि रहती थी, जिसके कारण उन्होंने ग्रामीणों के बीच एक अलग पहचान बनाई। पूर्व में प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्हें पीलिया (हेपेटाइटिस बी) की बीमारी हुई थी, जिसका उपचार उन्होंने गोंदिया सहित अन्य स्थानों पर कराकर स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त किया था। किंतु उनके आकस्मिक निधन से सभी स्तब्ध हैं।लगभग 2 वर्ष पूर्व उनके पिता बंशीलाल भी दुनिया छोड़ चुके है वे भी लोगो मे काफी लोकप्रिय थे। बारेलाल का अंतिम संस्कार गृह ग्राम पंचायत भाजीडोंगरी में बुधवार को किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के उपस्थित रहने की संभावना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

राजनांदगांव क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं ने टैरिफ याचिकाओं पर जन-सुनवाई में दी अपनी सहभागिता

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा विडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 के लिए बिजली दरों (टैरिफ) के निर्धारण और राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर शहर के पारींनाला स्थित कार्यपालक निदेशक कार्यालय में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिले के घरेलु, गैर घरेलु, कृषक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सार्वजानिक जन-सुनवाई आयोजित की गई। इस जन-सुनवाई का मुख्य उद्देश्य बिजली की नई दरों से निर्धारण से पूर्व आम जनता, कृषक उपभोक्ताओं एवं औद्योगिक संगठनों के सुझावों एवं आपत्तिओं को चिन्हाकित किया जाना था। राज्य विद्युत नियामक आयोग के सदस्यों ने उपस्थितजनों को भरोसा दिलाया कि टैरिफ का निर्धारण उपभोक्ताओं के हितों और बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाकर

किया जायेगा। जनसुनवाई में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगे रखी। औद्योगिक एचवी-3 एवं एचवी-05 एबीस कंपनी के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि क्रॉस सब्सिडी का निर्धारण वोल्टेज के आधार पर करने, लो-लोड फैक्टर में प्रोत्साहन देने और न्यूनतम उपयोग के समय डिमांड चार्जेस को कॉन्ट्रैक्ट डिमांड का 50 प्रतिशत रखने का मांग/सुझाव दिया। उन्होंने बिजली बिल का एडवांस पेमेंट करने पर मिलने वाले सवा प्रतिशत की छूट को भविष्य में भी यथावत रखे जाने का सुझाव दिया। ताकि उपभोक्ताओं समय पर भुगतान के लिए प्रोत्साहन मिल सके। चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव के अध्यक्ष श्री कमलेश बैद ने कहा कि औद्योगिक जगत को राहत देने के लिए प्रचलित टैरिफ को यथावत रखा जाए। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राहियों की उत्पादित बिजली के लिए उचित दर मिल सके इसका प्रावधान भी होना चाहिए। जैसे एलवी-4 के उपभोक्ताओं को छुट का प्रावधान है, वैसे ही एचवी-3 एवं एचवी-05 कैटेगरी के उपभोक्ता को लाभ दिया जाए, जिससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। घरेलू उपभोक्ता श्री रूपचंद भीमनानी ने बढती महंगाई का हवाला देते हुए कहा कि टैरिफ में बढोत्तरी से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढेगा अत: दरों में वृद्धि नहीं की जानी चाहिए। घरेलु उपभोक्ताओं के बिजली बिलों को आसान और सुस्पष्ट बनाया जाए, ताकि उन्हे बिजली बिल में अपने खपत की जानकारी के प्रत्येक खण्ड सरलता से समझ आ सके।

प्राथमिक शाला सिरलगढ़ में वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह गरिमामय रूप से संपन्न

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्राथमिक शाला सिरलगढ़, विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी, जिला मोहला-मानपुर-

अम्बागढ़ चौकी में वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और सम्मान की त्रिवेणी स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नरबद कुमेटी (सेवानिवृत्त शिक्षक) ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राथमिक शिक्षा ही जीवन की दिशा तय करती है और गाँव के विद्यालय समाज निर्माण की सबसे मजबूत इकाई होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रमुख चुन्नू लाल चंद्रवंशी ने की। विशिष्ट अतिथियों में खेमलाल साहू, जितेंद्र साहू (संकुल प्राचार्य) एवं लेखराम ठाकुर (संकुल समन्वयक) शामिल रहे। समारोह में नीलकंठ कोमरे, योगेन्द्र देवांगन, खुमन साहू, बीरेंद्र सुधाकर, रश्मि ठाकुर, दीपक कुम्भज तथा बुधराम पाण्डेरोई की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यालय के शैक्षणिक विकास, शिक्षक समर्पण एवं सामुदायिक सहयोग की सराहना की।

धर्म समाचार....

पितरों को प्रसन्न करने के लिए फाल्गुन अमावस्या पर करें ये काम, अन्न-धन से भर जाएगा घर

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 17 फरवरी को फाल्गुन अमावस्या है। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होता है। इसके लिए हर महीने अमावस्या तिथि पर पितरों का तर्पण और पिंडदान किया जाता है। वहीं, फाल्गुन अमावस्या के दिन गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान कर भक्ति भाव से भगवान शिव की पूजा की जाती है। गरुड़ पुराण में निहित है कि फाल्गुन अमावस्या तिथि पर पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। वहीं, व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पितरों की कृपा से व्यक्ति विशेष के सुख- सौभाग्य और वंश में वृद्धि होती है। अगर आप भी पितरों को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो फाल्गुन अमावस्या के दिन पूजा के समय ये उपाय जरूर करें। इन उपायों को करने से व्यक्ति को पितृ दोष से राहत मिलती है।

पितृ दोष के उपाय- अगर आप मायावी ग्रह राहु और केतु की कुदृष्टि से निजात पाना चाहते हैं, तो फाल्गुन अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि विधान से भगवान शिव की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय गंगाजल में काले तिल और सुगंध मिलाकर देवों के देव महादेव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से मायावी ग्रह की कुदृष्टि से मुक्ति मिलती है।

गरुड़ पुराण में निहित है कि अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करने से तीन पीढ़ी के पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अत: फाल्गुन अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल में काले तिल और जौ मिलाकर दक्षिण दिशा में मुखकर पितरों का तर्पण करें। अगर आप पितरों की कृपा पाना चाहते हैं, तो अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान, पूजा और तर्पण के बाद आर्थिक स्थिति अनुसार दूध, दही, चावल, गेहूं, नमक, काले तिल और कपड़े का दान जरूरतमंदों के मध्य करें । पीपल के पेड़ में पितरों का निवास होता है। अत: फाल्गुन अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान करने के बाद गंगाजल या सामान्य जल में काले तिल मिलाकर पीपल के पेड़ में जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पीपल पेड़ के नीचह्य घी का दीपक जलाएं। इस उपाय को करने से साधक पर पितरों की कृपा बरसती है। पितरों को प्रसन्न करने के लिए फाल्गुन अमावस्या के दिन तर्पण के समय पितृ चालीसा, कवच और स्तोत्र का पाठ करें। इसके बाद पशु-पक्षी को अन्न दें। ऐसा करने से व्यक्ति पर पितरों की असीम कृपा बरसती है।

साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं ऐसी महिलाएं, इन 4 गुणों से ससुराल को बना देती हैं स्वर्ग

चाणक्य नीति के अनुसार, घर की खुशहाली में एक स्त्री की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में कुछ ऐसी खूबियों का वर्णन किया है, जो अगर किसी महिला में हों, तो वह साक्षात देवी लक्ष्मी (रुशह्म्स्र रुड्डउद्गद्ब) का स्वरूप मानी जाती हैं। ऐसी स्त्रियां न केवल अपने पति बल्कि पूरे ससुराल के लिए भाग्यशाली साबित होती हैं।

आइए जानते हैं उन 4 गुणों के बारे में जो एक साधारण घर को भी स्वर्ग बना देते हैं।

1. मधुर वाणी (मीठी बोली)- चाणक्य नीति के अनुसार, जिस स्त्री की वाणी में मधुरता होती है, वहां कभी क्लेश नहीं होता। कड़वे वचन बोलने वाले लोग अक्सर बनते काम बिगाड़ देते हैं, लेकिन मीठा बोलने वाली महिला कठिन से कठिन परिस्थिति को भी शांत कर देती है। नीति शास्त्र के अनुसार, ऐसी महिलाएं समाज में अपने परिवार का मान-सम्मान बढ़ाती हैं और रिश्तों में कड़वाहट नहीं आने देतीं।

2. धर्म और संस्कारों का पालन- आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जो महिला धार्मिक और संस्कारी होती है, वह अपने बच्चों को भी उत्तम शिक्षा देती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जिस घर में महिला नियमित पूजा-पाठ करती है और बड़ों का सम्मान करती है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। ऐसी स्त्री के चरण पड़ते ही ससुराल में सुख-समृद्धि के द्वार खुल जाते हैं।

3. संतोष और धैर्य (सब्र रखना)- जीवन हमेशा एक जैसा नहीं रहता। कभी सुख आता है तो कभी आर्थिक तंगी। आचार्य चाणक्य के सूत्रों के मुताबिक, एक गुणवान स्त्री वही है जो बुरे वक्त में घबराने के बजाय धैर्य से काम ले। जो महिला कम संसाधनों में भी खुशी-खुशी घर चला लेती है और अपने पति का साहस बढ़ाती है, लक्ष्मी जी सदैव उनके घर में निवास करती हैं। ऐसी महिलाएं संकट के समय परिवार की ढाल बनती हैं।

4. बचत करने की आदत

चाणक्य नीति के अनुसार, धन का सही संचय ही भविष्य की सुरक्षा है। जो स्त्रियां फिजूलखर्ची से बचती हैं और भविष्य के लिए पैसे बचाकर रखती हैं, उनका परिवार कभी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करता। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसी महिलाएं लक्ष्मी का रूप होती हैं, क्योंकि वे धन का सही प्रबंधन करना जानती हैं।

nandgaon times feb-18-4.qxd 2/18/2026 12:31 AM Page 4

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बेग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बेडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी-टी टेबल, टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, टैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बेग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

बैठक में महापौर ने साफ सफाई में विशेष ध्यान देने तथा आमजनों को स्वच्छता से जोड़

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिये निगम की तैयारी

फिटबैक लेने के दिये निर्देश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार लाने एवं आमजनो को स्वच्छता से जोडने व कचरा पृथककरण के लिये जन जागरूकता लाने महापौर श्री मधुसूदन यादव ने आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा तथा निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा की उपस्थिति में तकनीकि व स्वास्थ्य अधिकारियो की बैठक ली। बैठक में उन्होंने आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुये कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता और अपशिष्ठ प्रबंधन पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने लिये शहरों के बीच स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, बडे पैमाने पर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा अपने नागरिकों को बेहतर स्वच्छता सेवा प्रदान करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये सभी को गभीरता से कार्य करना है। महापौर श्री यादव ने कहा कि हमारा स्वास्थ्य अमला प्रतिदिन सजकता से कार्य कर रहा है फिर भी स्वास्थ्य सेवाओ में सुधार की आवश्यकता होती है। इस लिये सभी मन लगाकर निधारित समय तक सफाई कराना सुनिश्चित करे,नागरिको की शिकायतो का त्वरित निराकरण करे। उन्होंने कहा कि सभी स्वच्छता निरीक्षक अपने अपने क्षेत्र में प्रतिदिन मानिटरिंग करे। सडको गलियो के अलावा चौक चौराहो की नियमित सफाई कराकर कचरा उठाये। नाली की सफाई कर कचरा उठावे, मुक्कड की संख्या कम करे, प्रतिदिन प्लानिंग कर कार्य करावे। उन्होंने कहा कि नागरिकों को भी स्वच्छता से जोडे, मुक्कड या नाली में कचरा डालने पर समझाईस देवे व कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि रूट चार्ट बनाकर कचरा संग्रहण करे, कचरा गाडियों में

स्वच्छता का संदेश बजावे, गाडियों की मरम्मत करावे तथा सेन्टर को साफसुथरा व व्यवस्थित रखे, डिसप्ले बोर्ड लगावे जिसमें सेन्टर की गतिविधियों का उल्लेख हो। महापौर श्री यादव ने तकनीकि अधिकारियो से कहा कि अपने अपने वार्ड में निर्माण कार्य के अलावा स्वच्छता संबंधी कार्यो की मानिटरिंग करेगे। सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों के मरम्मत कार्य जल्द पूर्ण करावे। मुक्कड पाईंट में सीमेटिंकरण व बाउण्ड्री की मरम्मत करावे। उन्होंने कहा कि नागरिको को स्वच्छता से जोड अभी से फिटबैग लेवे, जिससे जो कमी है वो पता चलेगा। गत वर्ष के स्वच्छता सर्वेक्षण में जो कमिया आई है उसको ध्यान में रखकर सुधार करे। सार्वजनिक स्थल, तालाब, उद्यानो मे विशेष साफ सफाई रखे, डस्टबिन लगावे। मुक्कडो के आस पास सौदर्यीकरण तथा चौक चौराहो का सौदर्यीकरण करे। उन्होंने कहा कि स्कूलो व कालेज मे जाकर जन लागरूकता लावे, एन.सी.सी. क्रेडेटो की मदद लेकर नुक्कड नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिलावे। साथ ही सामाजिक संस्थाओ को भी स्वच्छता से जोडें। इसके अलावा नागरिकों की भी भागीदारी सुनिश्चित कराना है, तभी स्वच्छता सर्वेक्षण में उच्च स्थान प्राप्त कर सकते है।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने स्वच्छता सर्वेक्षण के पूर्व किये जा रहे कार्यो के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि महापौर जी के निर्देशानुसार शासन के 15वें वित्त आयोग योजनांतर्गत निकाये क्षेत्र के समस्त वार्डो में मुक्कडो को चिन्हांकित कर उसका सौदर्यीकरण करने, शहर के प्रमुख चौक चौराहो में सिटी ब्यूटीफिक्रेशन के तहत सौदर्यीकरण करने, डोर टू डोर कचरा संग्रहण अंतर्गत घरों में डस्टबिन का वितरण करने तथा सफाई संबंधी वाहन क्रय करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, जिसकी अतिशीघ्र स्वीकृति प्राप्त होने वाली है। इसके अलावा शहर को स्वच्छ व सुंदिर बनाने के लिए चौक चौहारो का सौदर्यीकरण कर वाल पेंटिंग किया जा रहा है। व्यवसायिक क्षेत्रों में रोड किनारे पेवरब्लाक लगाकर फुटपाथ बनाया जा रहा है एवं एसएलआरएम सेन्टरो में रंगा रोगन का कार्य भी किया जा रहा है, नालियो में जाली लगाया जा रहा है, तालाबो एवं उद्यानों में डस्टबिन रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य अमला के साथ साथ तकनीकि अधिकारी भी अपने अपने प्रभारित वार्ड में सार्वजनिक शौचालयो, रोड, नाली, उद्यानों, सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण कर स्वच्छता सर्वेक्षण संबंधी निर्देशो के तहत व्यवस्था दुरूस्त करान सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे,कार्यपलान अभियंता(संविदा) श्री यू.के.रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम,प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा व सुश्री सुषमा साहू, राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी,प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित उप अभियंता, स्वच्छता निरीक्षण, पीआईयू उपस्थित थे।

विष्णुपुर में दो दिवसीय फाग प्रतियोगिता का शुभारंभ 1 मार्च रविवार से

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। ब्लाक के ग्राम पंचायत खुर्शीपार के आश्रित ग्राम विष्णुपुर में दो दिवसीय फाग प्रतियोगिता का आयोजन 1 मार्च रविवार और 2 मार्च सोमवार को रखा गया है जिसमें झांकी पक्ष के लिए पुरस्कार की राशि प्रथम 7001,दिव्तीय 5001,तृतीय 4001, चतुर्थ 3001,पंचमी 2001व छटवां पुरस्कार 1001रुपय रखा गया है। वहीं रचना पक्ष के लिए पुरस्कार की राशि प्रथम 5001,दिव्तीय 3001,तृतीय 2001, चतुर्थ 1501 एवं पांचवा पुरस्कार 1001 व सभी विजेता मंडलियों के लिए फोटो फ्रेम रखा गया है इसके अलावा आकर्षक पुरस्कार के रूप में प्रथम मंचस्थ मंडली 501, सर्व श्रेष्ठ राधा कृष्ण 501, श्रेष्ठ वेशभूषा 501,श्रेष्ठ वादन 501,श्रेष्ठ गायन 501,श्रेष्ठ अनुशासन 501 ,श्रेष्ठ रचना 501 रुपए रखा गया है। कार्यक्रम के संयोजक युवा उप सरपंच भागवत वर्मा ने बताया कि इस फाग प्रतियोगिता के आयोजन का यह शानदार दुसरा वर्ष है जिसके आयोजन कर्ता युवा संगठन एवं समस्त ग्रामवासी हैं जिन्होंने समस्त प्रतिभागी मंडलीयों व क्षेत्रवाशीयो से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

पुलवामा के शहीद जवानों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए भारतीय वीर जवानों की स्मृति में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला राजनांदगांव एवं सैन्य मातृशक्ति परिषद जिला राजनांदगांव द्वारा नेता जी सुभाष स्मारक एवं गौरव स्थल राजनांदगांव में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पूर्व सैनिकों, सैन्य मातृशक्तियों एवं नागरिकों ने दीप एवं कैंडल प्रज्वलित कर शही दों को नमन किया तथा उनकी वीरता और बलिदान को याद किया। उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर वीर जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला संरक्षक ऑनरेरी सूबेदार बसंत रावटे, जिलाध्यक्ष वारंट ऑफिसर अशोक झा, गुमान दास साहू, उमेश गंगबेर, उमाशंकर सिन्हा, अमर साव सहित अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। सैन्य मातृशक्ति परिषद की जिलाध्यक्ष वर्षा बसंत रावटे, संगीता साहू, भुवनेश्वरी साव, संगीता गंगबेर, शिवानी साव, शीतल सिन्हा, मिनेश साहू, पीयूष साव तथा बड़ी संख्या में सैन्य मातृशक्तियां एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रिसिशन इंजी वर्क्स

स्टील अलमारी, स्ट्रॉंग रूम गेट

सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।

पता- इण्डस्ट्रियल एरिया, जीई रोड, राजनांदगांव

मो. 94060-11669

ग्राम पैरी अर्जुनी में रुद्राभिषेक , पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं भंडारा का कार्यक्रम संपन्न हुआ

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ । जिला प्रमुख जयप्रकाश सिन्हा द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। सर्वप्रथम नीलिमा सिन्हा व छत्रपाल द्वारा स्वयं भगवान हमारे गुरु, होता है सारे विश्व का कल्याण यज्ञ से भजन प्रस्तुत किया गया सीता गुप्ता द्वारा भी भजन प्रस्तुत किया गया । तत्पश्चात शीतला मंदिर प्रांगण में देव शक्तियों का आवाहन पूजन अर्चन वंदन के पश्चात श्रद्धालु भक्तगणों द्वारा यज्ञ में आहुतियां डाली गई । मुख्य वक्ता जिला प्रमुख जयप्रकाश सिन्हा द्वारा यज्ञ का महत्व पर प्रकाश डाला गया। नित्य प्रति गायत्री मंत्र जाप एवं बलिवैश्व यज्ञ करने

श्रद्धालुओं को प्रेरित किया गया। किसी भी प्रकार की नशा नहीं करने गौ माता की सेवा करने एवं गांव में स्वच्छता रखना के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वनाथ साहू ,हेमंत ठाकुर, रोहित साहू, द्वारका साहू, रेशम साहू ,मानसिंह साहू ,मोजी राम निषाद ,नकुल सोनकर ,केशव राम साहू, प्रेम साहू ,कीर्तन साहू, ओमेश्वरी साहू, नेतराम सोनकर ,लेखूराम, देवेंद्र साहू, संदीप साहू ,जोतकुंवर साहू, गीतेश साहू ,मीरा सोनकर ,पिंकी साहू, खेमिन ,धरमिन,कुलीन, लेखू राम, तुलसी ,भगवती सभी का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात भक्तों द्वारा देव शक्तियों की एवं टोली की ससम्मान विदाई की गई।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा में 12वीं के विद्यार्थियों का भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन उत्साह एवं भावुक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यालय परिवार एवं कनिष्ठ विद्यार्थियों ने सीनियर छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

संस्था के प्राचार्य आर. के. दुबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को यह तय करना चाहिए कि वह भविष्य में क्या बनना चाहता है और उसी दिशा में अनुशासन व समय प्रबंधन के साथ निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। यदि हम समय को नष्ट करते हैं तो हम अपने ही भविष्य को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लें।संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता मिलापदास साहू ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि जीवन में कुछ करना है तो मन को मारकर बैठना नहीं चाहिए। आगे बढ़ना है तो हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। चलने वाला ही मंजिल तक पहुंचता है, जबकि बैठा रहने वाला पीछे रह जाता है। उन्होंने कहा कि ठहरा हुआ पानी सड़ने लगता है, जबकि बहता पानी निर्मल रहता है—इसी प्रकार व्यक्ति को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास का महत्व बताते हुए कहा कि आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता की चाबी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प में छिपी होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। ईमानदारी, मेहनत और अपने संस्कारों को साथ लेकर चलना ही सच्ची उपलब्धि दिलाता है। जीवन में चुनौतियां अवश्य आएंगी, लेकिन उनसे घबराने के बजाय साहस और मजबूती के साथ उनका सामना करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर्स को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अंत में सभी ने भावुक माहौल में एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जोशीलमती में विधार्थियों को सफलता की कामना कर दी विदाई

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय हाईस्कूल जोशीलमती में कक्षा 10वीं के सीनियर छात्रों को कक्षा 9वीं के छात्रों द्वारा सादगीपूर्ण समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। बिदाई समारोह संस्था के प्रभारी प्राचार्य अशोवन्तिन सोरी के साथ अतिथि के रुप में व्याख्याता चैनकुमार सोनवानी, व्याख्याता एच एल भुआर्य, व्याख्याता अजयकुमार चन्द्रवंशी, व्याख्याता जी एल कोलियारे के उपस्थिति में आयोजित की गई । कार्यक्रम का शुभांरभ प्रभारी प्राचार्य श्रीमती शोरी व अतिथियों के कर कमलों द्वारा विधा की देवी माँ सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्जलित कर किया गया । तत्पश्चात अथितियों का स्वागत किया गया । एवं अपने सीनियर छात्रों का कक्षा 9वीं के छात्र-छात्रों ने तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया । सीनियर छात्र-छात्राओं ने गीत, कविता चुटकुला व अपना अनुभव छात्रों शिक्षकों से साझा किया ।

इस अवसर पर प्रभारी श्रीमती शोरी ने अपने उदबोधन में छात्रों को पढ़ाई पर विशेष जोर देने की बात कही एवं परीक्षा में अच्छे परिणाम लाने मन लगाकर पढाई कर शाला व अपने माता-पिता का नाम रोशन करने प्रेरित करते हुए परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स दी । व्याख्याता चैनकुमार सोनवानी ने कहा कि बच्चें अपना एक लक्ष्य बनाकर एकाग्रचित्त मन लगाकर कड़ी मेहनत करें व पढ़ाई के प्रति सदैव सजग रहते हुए सफलता के लिए बाधाओं को दूर करते हुए निरंतर प्रयास करने स्कूली बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, और लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, मेहनत कशो की मेहनत कभी बेकार नहीं होती । व्याख्याता एच एल भुआर्य ने बच्चों को पढ़ाई के प्रति गंभीरता बरतने पर बल दिया । व्याख्याता अजय चन्द्रवंशी ने बच्चों को परीक्षा रुपी उत्सव को उत्साह के साथ जीतोड़ मेहनत कर सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी । व्याख्याता गैंदलाल कोलियारे ने बच्चों को अपने बोर्ड परीक्षा में लगन व मन लगाकर पढ़ाई करने प्रेरित करते हुए पढ़ाई पर विशेष जोर देने की बात कही । जुनियरों ने अपने सीनियरों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम की कामना करते हुए उन्हें श्रीफल व पेन भेंट कर भावभीनी बिदाई दी । विदाई समारोह में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं को उनके सफलता के लिए उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की ।

विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण विधेयक ब्लाक स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी डोंगरगांव मंडल भाजपा द्वारा जीरामजी विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण विधेयक पर ब्लाक स्तरीय कार्यशाला डोंगरगांव में आयोजित हुई। केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की जनहितैषी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में लाए गए विधेयक विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण विधेयक जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास व ग्रामों में निवासरत लोगों की समृद्धि के लिए लाया गया है को डोंगरगांव ब्लाक के सभी ग्राम पंचायतों में घर घर तक पहुंचाने हेतु व विधेयक को अधिक से अधिक प्रचारित व प्रसारित करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी मंडल डोंगरगांव , तुमड़ीबोड़,अर्जुनी मंडल की ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला पटेल समाज भवन डोंगरगांव में आयोजित किया गया। विकसित भारत जी राम जी विधेयक अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों का कार्यस्थल में पहुंच कर निरीक्षण करने व कार्यस्थल पर कार्यरत श्रमिकों से भेंट कर विधेयक की विस्तृत व सही जानकारी देने के साथ ही श्रमिकों को विधेयक के अंतर्गत उन्हें मिलने वाले फायदे के बारे में बताए जाने व ग्राम पंचायत द्वारा विधेयक में निर्धारित कार्य दिवश 100 दिन की बजाय 125 दिन का रोजगार सृजन किए जाने,निर्धारित समय में पारदर्शिता पूर्ण भुगतान जाने हेतु, क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं को मिल कर कार्य करने के उद्देश्य को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई।इस दौरान कार्यशाला के मुख्य वक्ता सचिन सिंह बघेल कार्यक्रम संयोजक, अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. राजनांदगांव व रविन्द्र वैष्णव, कार्यक्रम सह संयोजक, व पूर्व जिला महामंत्री भाजपा राजनादगांव, की गरिमामयी उपस्थित रही।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता सचिन सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला को संबोधित करते हुए बताया कि - यह विधेयक कांग्रेस कार्यकाल में लाए गए मनरेगा से कहीं ज़्यादा बेहतर, रोजगारमूलक, व ग्राम पंचायतों में निवासरत श्रमिकों के समृद्धि सशक्तिकरण व उनके रोजगार के साथ भुगतान की गारंटी वाली योजना है। मोदीजी की संवेदनशीलता व देश की जनता के प्रति अपनी वचनबद्धता व महिला सशक्तिकरण की सच्ची भावना व समर्पण का जीवंत प्रतीक है।मोदी जी की गारंटी है यह योजना, जिसमें ग्राम पंचायतों के सम्पूर्ण विकास का ध्यान रखा गया है। यह विधेयक रोजगार की समुचित गारंटी है विकास और सामाजिक समरसता का संतुलन पर आधारित है, इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे इसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को पर्याप्त रोजगार प्रदान करना है। इस दौरान प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी मंडल डोंगरगांव के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण गुप्ता, रामकिशन माहेश्वरी, रामकुमार गुप्ता, जिला पंचायत सभापति जागृति यदु, जनपद उपाध्यक्ष डोंगरगांव मनीष साहू, तीनों मंडल के अध्यक्ष दीना पटेल, जागेश्वर राजू यदु, भुवन साहू, डोंगरगांव मंडल महामंत्री हेमंत चोपड़ा, सतीश कुमार पाण्डेय, अर्जुनी मंडल महामंत्री अजय वैष्णव, दिनेश साहू, पार्षद लक्ष्मी सेन, कोमल साहू, योगेश पटेल, महेश्वर साहू, संतोष यादव, मीडिया सह प्रभारी गौरव यदु, सरपंच संघ अध्यक्ष रोहित साहू, चुन्नी यदु, नवनीत अहिर, , सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com